स्थापना वर्ष: 1984

पंजी . संख्या. 6467

परम पूज्य गुरुदेव आचार्यश्री
रूपचंद्र जी महाराज

मानव मंदिर मिशन
समाचारपत्र

जनवरी - अप्रैल 2026

जय जिनेन्द्र, ॐ अर्हम

हम मानव मंदिर मिशन के सामाजिक सेवा कार्यों के प्रति आपके सहयोग, समर्थन एवं उदारता के लिए हृदय से अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। आपके अमूल्य सहयोग के माध्यम से हम मानव सेवा और आध्यात्मिक कल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति करने में सफल हुए हैं।

आपके योगदान ने हमें जरूरतमंद एवं वंचित लोगों के जीवन में वास्तविक और सकारात्मक परिवर्तन लाने का अवसर प्रदान किया है। हमारे मिशन की सफलता के पीछे आप सभी हमारी प्रेरणा और शक्ति के स्रोत हैं।

इस समाचार-पत्र के माध्यम से हम आपको हमारे विभिन्न सेवा प्रकल्पों एवं उनके अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की जानकारी प्रदान कर रहे हैं।

हमारी गतिविधियाँ

आया नगर, दिल्ली में बच्चों के लिए नवीन पुस्तकालय का शुभारंभ

युवा मनों को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में दिल्ली के आया नगर में नव स्थापित पुस्तकालय का शुभारंभ किया गया। **आचार्यश्री रूपचंद्र वर्चुअल एजुकेशन प्रोजेक्ट** एवं "**नई सोच नई पहल**" के अंतर्गत प्रारंभ की गई इस पहल का उद्देश्य वंचित एवं जरूरतमंद बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा बेहतर अध्ययन संसाधनों तक पहुँच उपलब्ध कराना है।

इस शुभ अवसर पर **पूज्य श्री अरुण योगी जी महाराज** ने वीडियो कॉल के माध्यम से पवित्र मंत्रोच्चारण कर अपना आशीर्वाद प्रदान किया। पुस्तकालय का विधिवत उद्घाटन वरिष्ठ उद्यमी एवं समाजसेवी **श्री नरेंद्र लाडवाल जी** द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

इस कार्यक्रम में संस्था के प्रतिनिधि **श्री वेदांत दुबे जी**, परियोजना समन्वयक **मास्टर दिनेश जोशी जी**, वरिष्ठ समाजसेवी **श्री कमल ध्यानी जी**, **एडवोकेट साहब**, **श्री दीप प्रकाश भट्ट जी**, **श्री लाखीराम धिमरी जी** सहित अनेक गणमान्य अतिथियों एवं सम्मानित नागरिकों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई।

यह पुस्तकालय बच्चों के लिए ज्ञान, शिक्षा और नए अवसरों का केंद्र बनने की परिकल्पना के साथ स्थापित किया गया है। यह उनके उज्ज्वल, सशक्त एवं आत्मनिर्भर भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा तथा उन्हें अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित करेगा।

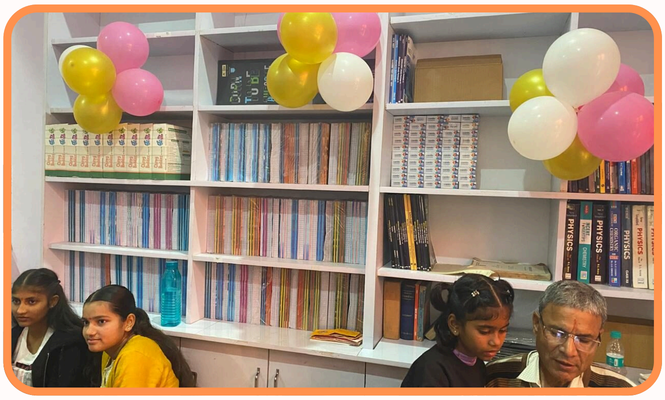

स्वर्गीय श्री किशोर दोशी जी की स्मृति को समर्पित आया नगर में डिजिटल शिक्षा केंद्र का उद्घाटन

आचार्यश्री रूपचंद्र वर्चुअल एजुकेशन प्रोजेक्ट के अंतर्गत बाहरी दिल्ली के **आया नगर** में एक नए शिक्षा केंद्र का शुभारंभ किया गया। इस केंद्र का उद्देश्य आधुनिक शिक्षण सुविधाओं एवं समर्पित शैक्षणिक मार्गदर्शन के माध्यम से वंचित एवं जरूरतमंद बच्चों को आधुनिक, डिजिटल और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है।

यह पहल विशेष रूप से उन बच्चों के लिए समर्पित है जो नियमित रूप से विद्यालय नहीं जा पाते हैं अथवा जिन्हें उचित शैक्षणिक मार्गदर्शन प्राप्त नहीं हो पाता। विद्यालय में प्रवेश दिलाने के साथ-साथ विद्यार्थियों को सायंकालीन शिक्षा, संस्कार आधारित शिक्षण तथा व्यक्तित्व विकास का प्रशिक्षण भी समर्पित शिक्षकों द्वारा प्रदान किया जाएगा।

यह केंद्र **अत्याधुनिक डिजिटल लर्निंग पैनल** से सुसज्जित है और वर्षभर शैक्षणिक सहयोग प्रदान करते हुए सैकड़ों बच्चों को लाभान्वित करेगा। इसी प्रकार के शिक्षा केंद्र झुग्गी-बस्तियों, पिछड़े क्षेत्रों तथा दूरस्थ हिमालयी सीमावर्ती गांवों में भी स्थापित किए जा रहे हैं, जहाँ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहुँच अभी भी सीमित है।

यह पुण्य पहल अमेरिका के **ह्यूस्टन स्थित एक श्रद्धालु परिवार** द्वारा **स्वर्गीय श्री किशोर दोशी जी की पावन** स्मृति को समर्पित की गई है। इस शुभ अवसर पर **श्रीमती कल्पना दोशी जी**, **श्री जय दोशी जी**, **श्रीमती संगीता जी एवं श्री राज बावा जी** ने अमेरिका से देर रात ऑनलाइन माध्यम से उद्घाटन समारोह में सहभागिता की और इस प्रेरणादायी पहल में पूरे उत्साह एवं श्रद्धा के साथ अपना योगदान दिया।

इस शिक्षा केंद्र का संचालन **मानव मंदिर मिशन ट्रस्ट** के सहयोग से "**नई सोच नई पहल**" द्वारा किया जा रहा है। इस प्रेरणादायी परियोजना को **पूज्य गुरुदेव आचार्यश्री रूपचंद्र जी महाराज** एवं **पूजनीय साध्वी कनकलता जी महाराज** का स्नेहिल आशीर्वाद प्राप्त हुआ।

इस शुभ अवसर पर **पूजनीय साध्वी क्षमताश्री जी**, **पूज्य श्री अरुण योगी जी महाराज**, **डॉ. अरुण प्रकाश जी महाराज**, **श्री वेदांत जी**, **मानव मंदिर मिशन ट्रस्ट** की संपूर्ण टीम, **मास्टर श्री गणेश जोशी जी**, "**नई सोच नई पहल**" की पूरी टीम तथा ऑनलाइन माध्यम से जुड़े लाभार्थी परिवार ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति एवं शुभकामनाओं से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

विशेष रूप से "नई सोच नई पहल" के अध्यक्ष **मास्टर श्री दिनेश जोशी जी** का उल्लेख करना आवश्यक है, जिन्होंने इस शिक्षा केंद्र के संचालन हेतु स्थान निःशुल्क उपलब्ध कराकर इस सामाजिक एवं शैक्षिक पहल में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

उद्घाटन समारोह प्रेरणा, उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा से परिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस प्रेरणादायी पहल ने असंख्य जरूरतमंद बच्चों के जीवन में **नई आशा, ज्ञान** और उज्ज्वल भविष्य के अवसरों का संचार किया है। यह शिक्षा केंद्र उनके सपनों को नई उड़ान देने के साथ-साथ उन्हें एक **सशक्त, शिक्षित** एवं **आत्मनिर्भर भविष्य** की ओर अग्रसर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

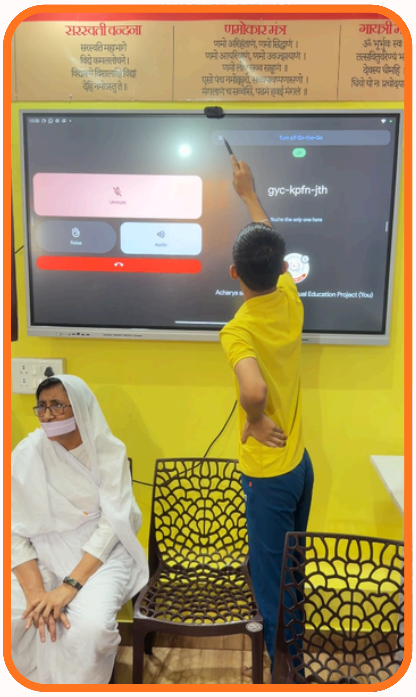

मानव मंदिर मिशन में स्वर्गीय डॉ. विमल प्रकाश जैन जी की चौथी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

मानव मंदिर मिशन, सराय काले खाँ स्थित ध्यान मंदिर में **स्वर्गीय डॉ. विमल प्रकाश जैन जी** की चौथी पुण्यतिथि के अवसर पर एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं, गणमान्य अतिथियों एवं समाज के विभिन्न वर्गों से जुड़े लोगों ने एकत्र होकर उनके प्रेरणादायी जीवन, उच्च आदर्शों तथा समाज के प्रति उनके अमूल्य योगदान को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ **पूज्य गुरुदेव आचार्यश्री रूपचंद्र जी महाराज** के मंगलमय आशीर्वचनों एवं पावन मंत्रोच्चारण के साथ हुआ, जिससे संपूर्ण वातावरण आध्यात्मिकता, शांति और चिंतन से ओत-प्रोत हो गया। यह श्रद्धांजलि सभा **पूजनीय साध्वी कनकलता जी महाराज, पूजनीय साध्वी समताश्री जी महाराज** तथा **पूज्य श्री अरुण योगी जी** के सान्निध्य एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुई।

कार्यक्रम में उपस्थित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं अतिथियों ने **डॉ. जैन** के सेवा, करुणा और सामाजिक उत्थान के प्रति समर्पित जीवन को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मानव मंदिर गुरुकुल की छात्रा **दिव्या** द्वारा प्रस्तुत भावपूर्ण भक्ति गीत ने सभी उपस्थित जनों को भावविभोर कर दिया और समारोह में आध्यात्मिक एवं भावनात्मक गरिमा का विशेष संचार किया।

इस श्रद्धापूर्ण अवसर पर कैलिफोर्निया से विशेष रूप से पधारे उनके पुत्र **श्री हिमांशु जैन जी** ने अपने पिता से जुड़ी भावनात्मक स्मृतियाँ साझा कीं और उनके प्रति अपनी गहरी श्रद्धा एवं सम्मान व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में अनेक गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनमें **ट्रस्टी श्रीमती निर्मला पुगालिया जी, श्रीमती मंजुबाई जैन जी, डॉ. अरुण प्रकाश जी, श्री विभु जैन जी, श्रीमती स्टेफनी जैन जी, श्री अरविंद जैन जी, श्रीमती मनीषा जैन जी** तथा परिवार के अन्य सदस्य विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इसके अतिरिक्त, प्रख्यात **ज्योतिषाचार्य श्री पी. के. शास्त्री जी** ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए **स्वर्गीय डॉ. विमल प्रकाश जैन जी** के व्यक्तित्व, मूल्यों एवं समाज के प्रति उनके योगदान को स्मरण किया।

कार्यक्रम का समापन सामूहिक प्रसाद वितरण के साथ हुआ, जिसने सभी उपस्थित श्रद्धालुओं एवं अतिथियों के मध्य एकता, सौहार्द और आत्मीयता की भावना को और अधिक प्रगाढ़ बनाया।

यह श्रद्धांजलि सभा **स्वर्गीय डॉ. विमल प्रकाश जैन जी** की उस प्रेरणादायी विरासत की सशक्त स्मृति बनकर उभरी, जो सेवा, उच्च मानवीय मूल्यों और मानवता के प्रति समर्पण पर आधारित थी। इस अवसर ने सभी उपस्थित जनों को उनके आदर्शों एवं जीवन-दृष्टि से प्रेरणा लेकर अपने जीवन में सेवा, करुणा और समाज कल्याण की भावना को आत्मसात करने तथा उनके दिखाए मार्ग पर आगे बढ़ने का संदेश दिया।

MANAV MANDIR MISSION TRUST

MANAV MANDIR MISSION TRUST

MANAV MANDIR MISSION TRUST
मनुर्भव जनया दैव्यं जनम्

(15.05.1933 - 07.04.2022)
चतुर्थ स्मृति दिवस
MANAV MANDIR MISSION TRUST
मनुर्भव जनया दैव्यं जनम्

स्व. डॉ. विमल प्रकाश जी
धर्म-दर्शन के विद्वान
(15.05.1933 - 07.04.2022)
चतुर्थ स्मृति दिवस

महावीर जन्म कल्याणक के पावन अवसर पर 'उड़ती हुई दिशाओं में' पुस्तक का लोकार्पण

महावीर जन्म कल्याणक के पावन अवसर पर पूज्य आचार्यश्री रूपचंद्र जी महाराज के दिव्य सान्निध्य में महावीर जयंती का भव्य एवं आध्यात्मिक आयोजन संपन्न हुआ। इस विशेष अवसर ने आध्यात्मिकता, साहित्य और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का अद्भुत संगम प्रस्तुत करते हुए सभी उपस्थित जनों को एक समृद्ध एवं प्रेरणादायी अनुभव प्रदान किया।

इस समारोह का प्रमुख आकर्षण गुरुदेव जी की प्रेरणादायी पुस्तक **'उड़ती हुई दिशाओं में'** का औपचारिक लोकार्पण रहा। इसके उपरांत **'महावीर युग के विकासात्मक चरण'** विषय पर एक विचारोत्तेजक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें भगवान महावीर के जीवन-दर्शन और उनके युग की प्रासंगिकता पर गहन चर्चा हुई।

कार्यक्रम को **पूजनीय साध्वी कनकलता जी महाराज** एवं **पूजनीय साध्वी समताश्री जी महाराज** का आध्यात्मिक मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, जबकि प्रख्यात विद्वान **डॉ. अरुण प्रकाश जी** ने अध्यक्षता कर अपने विचारों से सभी को प्रेरित किया। पुस्तक की सारगर्भित समीक्षा **श्री पुरुषोत्तम प्रतीक जी** द्वारा प्रस्तुत की गई, जिसने साहित्यिक विमर्श को नई गहराई और दृष्टि प्रदान की।

कार्यक्रम का सफल संचालन **श्री अरुण योगी जी** द्वारा किया गया तथा मंच संचालन **डॉ. राजीव रंजन जी** ने अत्यंत प्रभावशाली ढंग से किया। इस अवसर पर **डॉ. अमित राय जैन जी** एवं **श्री प्रशांत जैन जी** सहित देश-विदेश से आए अनेक गणमान्य अतिथियों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने भी समारोह को विशेष गरिमा प्रदान की। **मानव मंदिर गुरुकुल** की छात्राओं **दिव्या** एवं **शिखा** ने अपनी मधुर संगीत प्रस्तुति से उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया और वातावरण को भावनात्मक एवं आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया।

यह आयोजन आध्यात्मिक ज्ञान, बौद्धिक संवाद और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के अद्भुत समन्वय का सशक्त उदाहरण बना, जिसने भगवान महावीर के शाश्वत संदेशों एवं मानवीय मूल्यों को पुनः स्मरण कराने का कार्य किया।

के पावन अवसर पर
मानव मंदिर मिशन के
संस्थापक अध्यक्ष
महामनीषी आचार्यश्री
रूपचन्द्र जी महाराज
के सद्यः प्रकाशित
कविता संग्रह

MANAV MANDIR MISSION TRUST

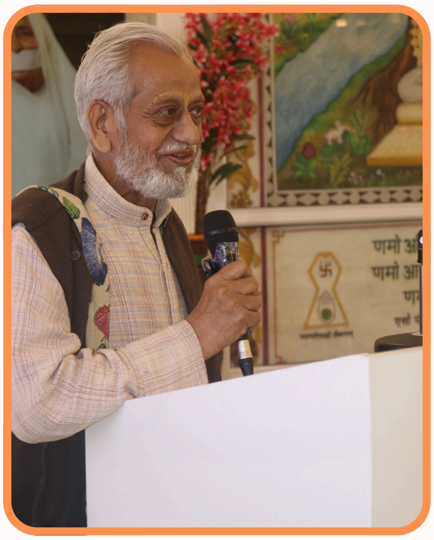

महावीर जयंती
के पावन अवसर पर
मानव मंदिर मिशन के
संस्थापक अध्यक्ष
महामनीषी आचार्यश्री
रूपचन्द्र जी महाराज
के सद्यः प्रकाशित
कविता संग्रह
'उड़ती हुई दिशाओं में'
के विमोचन समारोह व 'महावीर
के युग पर्याय' विषयक संगोष्ठी में
आपका हार्दिक स्वागत है।

शैक्षणिक सत्र 2025-26 में 75% से 95% अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान

आचार्यश्री रूपचंद्र वर्चुअल एजुकेशन प्रोजेक्ट, जो **मानव मंदिर मिशन** के अंतर्गत संचालित है, वंचित एवं जरूरतमंद बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के अपने संकल्प को निरंतर आगे बढ़ा रहा है।

नई दिल्ली स्थित **मुनिरका केंद्र** में शैक्षणिक सत्र 2025-26 में 75% से 95% अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धि, परिश्रम और समर्पण के लिए सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों की यह सफलता उनके अथक प्रयासों एवं शिक्षा के प्रति उनकी लगन का परिचायक है।

यह शिक्षा केंद्र **श्री कनक जी, श्रीमती प्रभा जी गोलिया** एवं उनके परिवार (अमेरिका) के उदार सहयोग से संचालित हो रहा है। उनका अमूल्य योगदान बच्चों को शिक्षा के माध्यम से सशक्त बनाने तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

भारत मंडपम में विद्यार्थियों की शानदार उपलब्धि 25 से अधिक विद्यार्थियों ने पदक एवं प्रमाण-पत्र प्राप्त कर बढ़ाया गौरव

नई दिल्ली स्थित **आचार्यश्री रूपचंद्र वर्चुअल एजुकेशन सेंटर, कुसुमपुर पहाड़ी** के विद्यार्थियों ने **भारत मंडपम** में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर एक गौरवपूर्ण उपलब्धि हासिल की।

25 से अधिक विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा, लगन और समर्पण का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विभिन्न श्रेणियों में पदक एवं प्रमाण-पत्र प्राप्त किए। यह उपलब्धि विद्यार्थियों की मेहनत, आत्मविश्वास तथा केंद्र द्वारा प्रदान की जा रही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं सर्वांगीण विकास के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

विद्यार्थियों की यह सफलता अन्य बच्चों के लिए प्रेरणा का स्रोत है और यह सिद्ध करती है कि निरंतर सीखने, उचित मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन से असाधारण उपलब्धियाँ प्राप्त की जा सकती हैं।

हम सभी विद्यार्थियों को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए हार्दिक बधाई देते हैं तथा उनके उज्ज्वल एवं सफल भविष्य की कामना करते हैं।

सीमांत गांवों से बड़े सपनों तक : उत्तराखंड के विद्यार्थियों ने उत्कृष्टता की नई उड़ान भरी

उत्तराखंड स्थित **आचार्यश्री रूपचंद्र वर्चुअल एजुकेशन प्रोजेक्ट** के विद्यार्थियों ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि दृढ़ संकल्प और निरंतर प्रयास के सामने कठिन से कठिन परिस्थितियाँ भी बाधा नहीं बन सकतीं।

जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा में विद्यार्थी **विवेक सिंह** ने जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि **प्रशांत सिंह** ने द्वितीय स्थान हासिल कर पूरे क्षेत्र का गौरव बढ़ाया। उनकी यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि दूरस्थ एवं सीमांत क्षेत्रों के बच्चे भी किसी से कम नहीं हैं और उचित अवसर एवं मार्गदर्शन मिलने पर उत्कृष्ट उपलब्धियाँ हासिल कर सकते हैं।

आचार्यश्री रूपचंद्र वर्चुअल एजुकेशन प्रोजेक्ट एवं **नई सोच नई पहल** ने विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान करने तथा प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संस्था द्वारा विद्यालय को प्रोजेक्टर एवं आधुनिक शिक्षण संसाधनों से भी सशक्त बनाया गया है, जिसका सकारात्मक प्रभाव विद्यार्थियों के इन उत्कृष्ट परिणामों में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।

यह उपलब्धि न केवल विद्यार्थियों की मेहनत और लगन का परिणाम है, बल्कि यह इस बात का भी प्रमाण है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सही मार्गदर्शन से सीमांत क्षेत्रों के बच्चों के सपनों को नई उड़ान दी जा सकती है।

शैक्षणिक सत्र 2025-26 में 75% से 95% अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

आचार्यश्री रूपचंद्र वर्चुअल एजुकेशन प्रोजेक्ट, जो **मानव मंदिर मिशन** के अंतर्गत संचालित है, वंचित एवं जरूरतमंद बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के अपने संकल्प को निरंतर आगे बढ़ा रहा है।

नई दिल्ली स्थित **कुसुमपुर पहाड़ी केंद्र** में शैक्षणिक सत्र 2025-26 में 75% से 95% अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया तथा उन्हें विद्यालयी बैग भेंट किए गए।

यह शिक्षा केंद्र अमेरिका स्थित **डॉ. मुकेश अजमेरा जी** के परिवार द्वारा उनकी पूज्य माताजी की पावन स्मृति में संचालित किया जा रहा है। उनका यह प्रेरणादायी सहयोग शिक्षा के माध्यम से बच्चों को सशक्त बनाने तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

उत्तराखंड में वार्षिक उत्सव : प्रतिभा, सम्मान और विद्यार्थियों के प्रति संवेदनशील सहयोग

उत्तराखंड में स्थित **आचार्यश्री रूपचंद्र वर्चुअल एजुकेशन सेंटर** में वार्षिक समारोह बड़े उत्साह, उमंग और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने नृत्य, भाषण एवं विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का आत्मविश्वासपूर्ण प्रदर्शन किया। उनकी रचनात्मकता, आत्मविश्वास और उत्साह ने सभी उपस्थित लोगों को प्रभावित किया।

कार्यक्रम की विशेषता को और बढ़ाते हुए विद्यार्थियों को सर्दी के मौसम में उनकी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए स्वेटर एवं अन्य आवश्यक सामग्री वितरित की गई। साथ ही, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को उनकी उपलब्धियों, मेहनत और प्रतिभा के सम्मान स्वरूप पुरस्कार एवं सम्मान प्रदान किए गए।

यह समारोह इस बात का सुंदर उदाहरण बना कि शिक्षा, उचित अवसर और प्रोत्साहन ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। कार्यक्रम ने यह संदेश भी दिया कि सही मार्गदर्शन, सहयोग और निरंतर प्रेरणा के साथ युवा प्रतिभाएँ नई ऊँचाइयों को छू सकती हैं।

आइए, हम सभी मिलकर इन बच्चों के सपनों को साकार करने में अपना योगदान दें और उनके लिए एक उज्ज्वल, सशक्त एवं आत्मनिर्भर भविष्य के निर्माण में सहभागी बनें।

सरस्वती शिशु मन्दिर
तामली (चम्पावत)
वार्षिकोत्सव की पावन बेला में
आपका हार्दिक अभिनन्दन
करता है।

तामली (चम्पावत)

तामली (चम्पावत)

आपका हार्दिक अभिनन्दन
करता है।

नियमित शिक्षण प्रकल्प
मानव मंदिर मिशन के अधीन
संचालित
क्रियान्वयन

मानव मंदिर गुरुकुल के लिए गर्व का क्षण विद्यार्थी शिवम ने गेट (GATE) परीक्षा में देशभर में 15वाँ स्थान प्राप्त कर बढ़ाया गौरव

हमें अपने सभी आदरणीय दानदाताओं, सहयोगियों एवं शुभचिंतकों के साथ गर्व और प्रसन्नता का एक विशेष क्षण साझा करते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है। **मानव मंदिर गुरुकुल** के समर्पित विद्यार्थी **शिवम** ने प्रतिष्ठित **गेट परीक्षा** में अखिल भारतीय स्तर पर 15वीं रैंक प्राप्त कर संस्थान का गौरव बढ़ाया है।

यह उल्लेखनीय सफलता न केवल शिवम की कड़ी मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प का परिणाम है, बल्कि हमारे संस्थान में विकसित अनुशासन, समर्पण और शैक्षणिक उत्कृष्टता के मूल्यों का भी प्रमाण है। उनकी यह उपलब्धि उन असंख्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है, जो शिक्षा के माध्यम से अपने उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करने का सपना देखते हैं।

हम अपने सभी दानदाताओं एवं सहयोगियों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हैं, जिनके विश्वास और निरंतर सहयोग ने शिवम जैसे विद्यार्थियों को आत्मविश्वास के साथ अपने सपनों को साकार करने का अवसर प्रदान किया है। आपका सहयोग जीवनों में सकारात्मक परिवर्तन लाने तथा समाज में सार्थक प्रभाव उत्पन्न करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

आइए, हम सभी मिलकर भविष्य का निर्माण करते रहें, उत्कृष्टता को प्रेरित करते रहें और एक सशक्त एवं उज्ज्वल कल की नींव मजबूत बनाते रहें।

सादर एवं हार्दिक आभार सहित,

मानव मंदिर मिशन ट्रस्ट

मातृ सेवा का विस्तार तमली, नागौर, पीपलताड़ एवं बेलकोट की 100+ माताओं तक पहुँचा सहयोग और सम्मान

मानव मंदिर मिशन द्वारा संचालित **महासती मंजुलाश्री मातृ सेवा प्रकल्प** के अंतर्गत उत्तराखंड एवं राजस्थान के **तमली**, **नागौर**, **पीपलताड़** तथा **बेलकोट** गांवों में निवास करने वाली 100 से अधिक वृद्ध एवं जरूरतमंद माताओं को आवश्यक जीवनोपयोगी सामग्री वितरित की गई।

पूज्य गुरुदेव आचार्यश्री रूपचंद्र जी महाराज की प्रेरणादायी सोच एवं मार्गदर्शन से संचालित इस सेवा पहल का उद्देश्य वृद्धाश्रम जैसी देखभाल, सुरक्षा एवं सहयोग की भावना को असहाय, निराश्रित एवं जरूरतमंद माताओं तक उनके अपने घरों में पहुँचाना है। यह प्रकल्प वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान, आत्मसम्मान, करुणा और मानवीय संवेदनाओं को संरक्षित रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

यह सेवा कार्य **पूजनीय साध्वी कनकलता जी**, **पूजनीय साध्वी समताश्री जी**, **श्री अरुण योगी जी** तथा **पूजनीय साध्वी वसुमति जी** के मार्गदर्शन में निरंतर संचालित किया जा रहा है। सेवा अभियान के अंतर्गत **परियोजना निदेशक वेदांत दुबे जी** के नेतृत्व में **जितेन्द्र सिंह जी**, **मनोज तिवारी जी** एवं **साहिल वर्मा जी** की टीम ने विभिन्न गांवों का भ्रमण कर माताओं से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की, उनका कुशलक्षेम जाना तथा आवश्यक सामग्री वितरित की।

इस सेवा कार्यक्रम को **श्री कनक जी एवं श्रीमती प्रभा जी गोलिया (अमेरिका)**, **श्री राजू भाई शाह एवं परिवार**, **श्री आशुतोष जी एवं श्रीमती अंजना जी रस्तोगी (अमेरिका)** तथा **श्री के. के. मेहता जी एवं परिवार (अमेरिका)** द्वारा उदारतापूर्वक प्रायोजित किया गया। वहीं स्थानीय स्तर पर कार्यक्रम के सफल संचालन एवं व्यवस्थाओं का दायित्व **श्री सूरज नाहटा जी** ने अत्यंत समर्पण के साथ निभाया।

ऐसे ही संवेदनशील, समर्पित एवं निरंतर सेवा प्रयासों के माध्यम से **मानव मंदिर मिशन** मानवता, निःस्वार्थ सेवा और मातृ सम्मान का संदेश जन-जन तक पहुँचा रहा है। यह प्रेरणादायी पहल समाज को करुणा, गरिमा और संवेदनशीलता के साथ आगे बढ़कर प्रत्येक वृद्ध एवं जरूरतमंद माता की देखभाल और सहायता के लिए प्रेरित करती है।

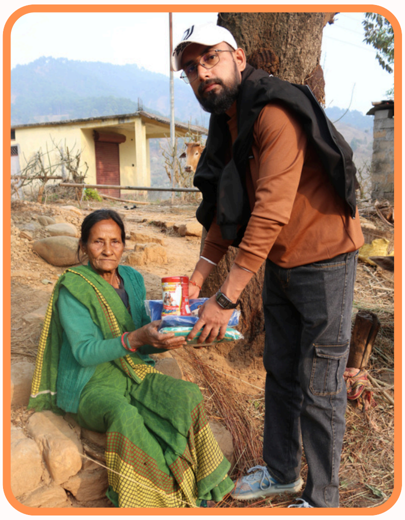

हमारा दल

मानव मंदिर मिशन ट्रस्ट

- Date of Foundation : 6 December 1981, Jaipur
- Statutory Foundation : 3 November 1989, Ludhiana, Regn No. - 6467

Founder Trustee and Chairman

Pujya Gurudev Acharya Shrer Roopchandraji Maharaj

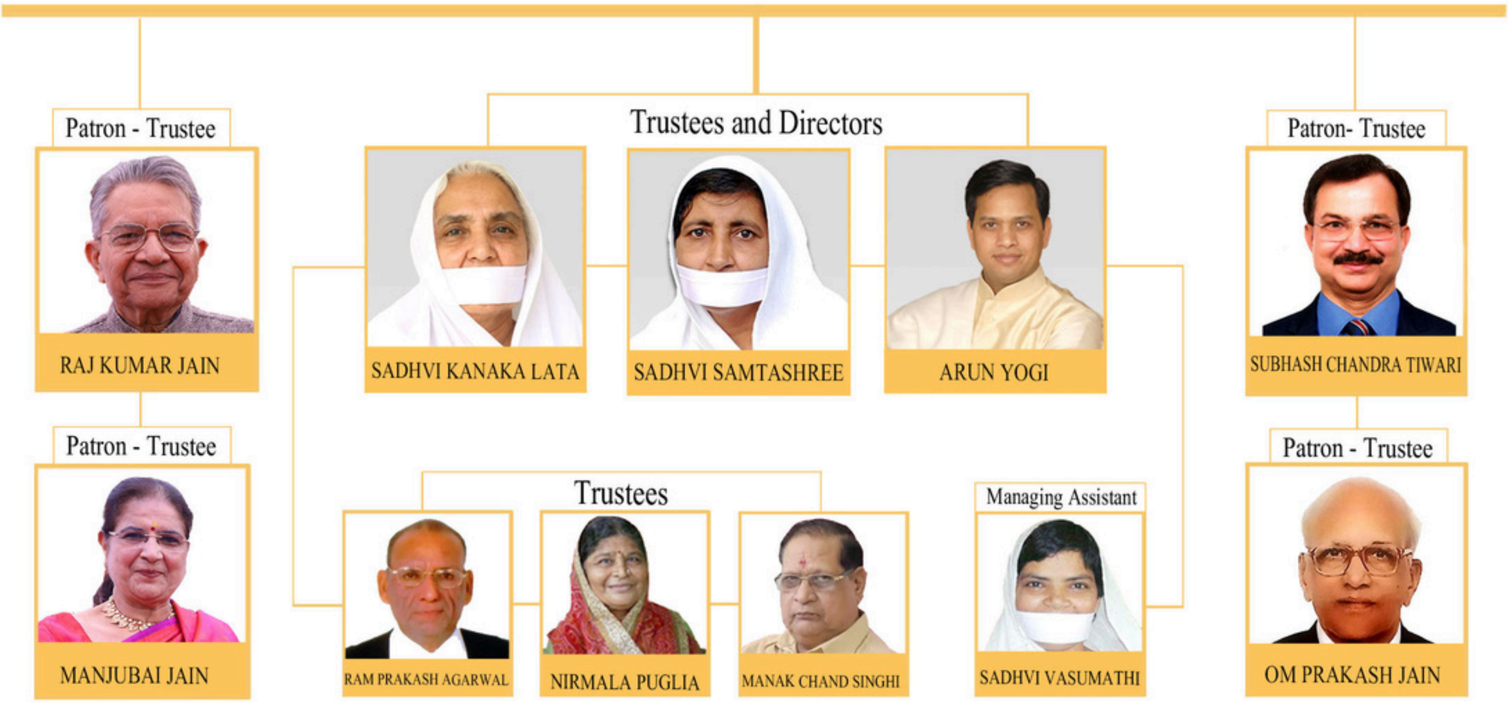

मानव मंदिर मिशन ट्रस्ट एक गैर-लाभकारी सार्वजनिक धर्मार्थ ट्रस्ट है, जिसका पंजीकरण भारतीय ट्रस्ट अधिनियम की धारा 42 के अंतर्गत किया गया है। इस ट्रस्ट की स्थापना 3 नवम्बर 1989 को **परम पूज्य आचार्यश्री रूपचंद्र जी महाराज** द्वारा मानव सेवा, शिक्षा, संस्कार और आध्यात्मिक उत्थान के उद्देश्य से की गई।

हमसे संपर्क करें
पंजीकृत कार्यालय :
के.एच.-57, रिंग रोड, सराय काले खाँ,
नई दिल्ली – 110013
मोबाइल : +91-96439 90099
ईमेल : contact@manavmandirmission.or